समाजिक संस्था सम्पूर्णा
समग्र विकास की ओर अग्रसर
गैर सरकारी संगठन

आलेख

विश्व पर्यावरण दिवस

सर्वप्रथम आप सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। आज के दिन मैं सभी ऐसी संस्थाओं, राजनीतिज्ञओं, समाजशास्त्रिओं और अकेले ही पर्यावरण की पताका फहराने वाले लाखों पर्यावरणविदों को प्रणाम करती हूँ।

जैसा कि आप सभी जानते ही हैं कि सामाजिक संस्था सम्पूर्णा लगभग एक दशक से प्रकृति को नमन करते हुए, उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्य आसान भी तो नहीं है। दिन–प्रतिदिन हम सब प्रकृत्ति की छाती पर बैठकर उसका दोहन कर रहे हैं। हालात तो इतने बुरे हो चुके हैं कि सद्गुरू जैसे विचारक और चिन्तक मिट्टी के पाषण के लिए, जगह–जगह यात्राएँ कर रहे हैं। हमारे सामाजिक व पर्यावरण कार्यकर्ता परम आदरणीय के. एन. गोविन्दाचार्य जी गाँव–गाँव घूमकर नदियों को बचाने की बात कर रहे हैं। प्रो. राजेन्द्र सिंह जिनको हम जल मित्र के नाम से जानते हैं, दिन–रात जल संचयन के कार्य में लगे हैं। अनेकों बहनें, अनेको प्रकल्पों के माध्यम से प्रकृत्ति को पुनः जीवित करने के प्रयास में लगी हैं। ऐसे जागरूक समय में सम्पूर्णा भी पीछ नहीं है। जैसा आप सभी जानते ही हैं कि हम पांच प्रकल्पों पर लगातार काम कर रहे हैं जो इस प्रकार हैः–

1. कूड़े का पृथ्क्कीकरण।
2. गीले और सूखे कूड़े से खाद्य बनाना (कम्पोस्टिंग)।
3. पुराने कपड़ों से कॉटन बैग बनाना।
4. सोलर पेनल।
5. वर्षा जल का संचयन और जल संरक्षण।

आज हम इन पांचों प्रकल्पों में एक नया छठा प्रकल्प जोड़ रहे हैं और वह है – *जल साक्षरता अभियान*। भू–जल के गिरते हुए स्तर, मौसम परिर्वतन, ग्लेशियर का पिघलना बढ़े राष्ट्रों द्वारा टनों स्क्रेप का महासागरों में बहा देना, पानी के लिए तीसरे विश्व युद्व का संकेत अवश्य देता है। आप सभी से मेरा विनम्र अनुरोध है कि आप सभी सम्पूर्णा के जल मित्र बनें। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर सबसे पहले अपने घर के लोगों को जागरूक करें। आइए! शपथ लें कि मैं, सम्पूर्णा के जल साक्षरता अभियान में भाग लूंगा/लूंगी। मैं जल मित्र बनकर इस पवित्र

कार्य को आज से ही घर से शुरूआत करूंगा/करूंगी। मैं लुप्त होती हुई वॉटर बॉडीज को पुनः जीवित करूंगा/करूंगी। मैं अपने चारों ओर हो रही पानी की बर्बादी को रोकने का हर संभव प्रयास करूंगा/करूंगी। धन्यवाद।

————————————